19R

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

संस्कृत विशारद (बी.ए.) – नियमित

परीक्षा : डिसेंबर – २०२३

सत्र ४ थे

विषय: व्याकरण – ४ (19R441)

दिनांक : २१/१२/२०२३ **गुण :६०** **वेळ : दु.२.०० ते ४.३०**

सूचना : १) उजवीकडील अंक त्या प्रश्नांचे गुण दर्शवितात. २) सर्व प्रश्न अनिवार्य.

प्र.१. द्वे सूत्रे स्पष्टीकुरुत। **(२०)**

१. यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा।

२. ससजुषो रुः।

३. ष्टुना ष्टुः।

४. झलां जशोऽन्ते।

प्र.२. द्वे सूत्रे स्पष्टीकुरुत। **(१०)**

१. झरां झरि सवर्णे।

२. अनुस्वारस्य अयि परसवर्णः।

३. वा शरि।

प्र.३. पञ्चानां सामासिकपदानां विग्रहं कृत्वा समासनामनि लिखत। **(०५)**

१. जीर्णवस्त्रः **२. आजन्मः** **३. कार्यकुशलः**

४.कार्यकुशलः **५. हस्तलिखितम्** **६. अष्टाध्यायी**

प्र.४. नामधातुं विचिनुत रूपपरिचयं लिखत च। (केवलं पञ्च) **(५)**

१) चक्षुः श्रोत्रे च जीर्येते तृष्णैका तरुणायते।

२) बधिरयति कर्णविवरम्।

३) शून्यायते जगत्सर्वं, गोविन्दविरहेण मे।

४) उष्णो दहति चाङ्गारो शीतः कृष्णायते करम्।

५) दुष्टः सर्वस्मै असूयते।

६) प्राप्ते तु षोडशे वर्षे गर्दभी अप्सरायते।

प्र.५. तद्धितं कृदन्तं वा लिखित्वा शब्दानामर्थान् लिखत।(केवलं दश) **(१०)**

१. द्रौपदी	२. पेयः	३. वाग्मी	४. शुद्धा
५. ज्ञानम्	६. सारमेयः	७. आङ्गिकम्	८. गेयः
९.भारतीयः	१०.चयनम्	११. पाकः	१२. क्रीडा

प्र.६. एकं विषयमधिकृत्य संस्कृतेन निबन्धं लिखत। **(१०)**

१) न हि ज्ञानेन समं पवित्रमिह विद्यते

२) रोचते मे क्रिकेटक्रीडा

३) मम प्रियः कविः